

## Program Specific Outcomes of English :

The students having BA/B.Com. English will be able to...

PSO1. Learn English language skills.

PSO2. Strengthen their ability in listening, speaking, reading and writing both at practical and theoretical level.

PSO3. Communicate with the whole world in English language.

PSO4. Enable to read works of literature and also of cultural criticism and apply them in their own context.

PSO5. Prepare for interviews.

PSO6. Secure jobs in National, Multinational companies, Call Centres and in many other sectors.

Course Outcomes :

B. A. Compulsory English

The students having BA/B.Com.Compulsory English will be able to...

CO1. Use grammatical properties in order to enable them to write and speak English consciously.

CO2. Be trained both in precision and in appropriate use of language through prose reading.

CO3. Be acquainted with a keen and subtle way in which the English language is used.

B.A. Optional English course outcomes

The Structure of English

Students having this course at the time of graduation will be able to

CO1. Have advanced knowledge of English in matter of speaking and writing.

CO2. Have better English pronunciation.

CO3. Acquire the structure of English language.

CO4. Improve word accent in English language.

Paper - Reading Literature

Students having this course at the time of graduation will be able to

CO1. Read and appreciate various forms of literature and critically interact with them from different perspectives.

CO2. Apply literary strategies to read literature.

CO3. Pinpoint how far literary language deviates from ordinary language.

CO4. Unravel many meanings in a literary text.

BASY

Paper - Literature in English 1550 1750

and paper Literature in English 1750 to 1900

Students having this course at the time of graduation will be able to

CO1. Read and appreciate various forms of literature and critically interact with them from different perspectives

CO2. Be acquainted with appropriate literary strategies to read literature

CO3. Pinpoint how far literary language deviates from ordinary language

CO4. Unravel many meanings in a literary text.

BATY

Twentiethth Century English Literature

Students having this course at the time of graduation will be able to

- CO1. Know modern English literature as production of the age.
- CO2. Be acquainted with T.S. Eliot's poems.
- CO3. Be familiarised with G.B. Shaw's drama Pygmalion .
- CO4. Understand D.H. Lawrence's fiction Sons and Lovers.

Paper- Introduction to Literary Criticism and terms

Students having this course at the time of graduation will be able to

- CO1. Be familiarized with the literary terms and various streams in Literary Criticism and develop skills for literary evaluation
- CO2. Understand how the literature of modern period relates to the important trends of the period.
- CO3. Be aware of the fact that all readers are critics and their own critical thinking will be developed.
- CO4. Know how texts are affected by the context.

Paper - Indian Writing in English

Students having this course at the time of graduation will be able to

- CO1. Understand thematic concerns, genres and trends of Indian Writing in English.
- CO2. Understand Nissim Ezekiel's poems.
- CO3. Be acquainted with Vijay Tendulkar's plays and their general themes.
- CO4. Understand the impact of freedom movement on Raja Rao's novel Kanthapura.

B.Com. Compulsory English course outcomes :

Students having this course at the time of graduation will be able to

- CO1. Prepare Curriculum Vitae (C.V.)
- CO2. Draft an email for business correspondence.
- CO3. Make notes of business conversations .
- CO4. Prepare for interview.
- CO5. Understand business promotions and language for advertising
- CO6. Achieve excellent business communication skills for better employment.
- CO7. Acquire multi business communication skills.
- CO8. Be motivated for enterprise through prose reading.
- CO9. Strengthen their writing skill through grammar.

## DEPARTMENT OF HINDI

- (1) मातृभाषा के अलावा राष्ट्रभाषा का ज्ञान मिलता है।
- (2) छात्रों को रेल, डाक, बैंक तथा केंद्रीय संस्थाओं में अधिकाधिक अवसर मिलते हैं।
- (3) हिंदी कहानियों से छात्रों में आधुनिक जीवन की विडम्बना तथा जीवन में सच्चाई की सिख मिलती है।
- (4) प्रयोजनमूलक हिंदी तथा हिंदी में संगणक के प्रयोग के कारण छात्रों में हिंदी के प्रति रूची में बढ़ाव होता है, तथा उसे पढ़ना होता है।
- (5) 'हिंदी साहित्य का इतिहास' जैसे पुस्तक के कारण भारत की सांस्कृतिक, राजनीतिक, धार्मिक, साहित्यिक परिस्थिति का ज्ञान मिलता है।
- (6) 'नाटक' और 'उपन्यास' के कारण उस समय के लोक जीवन का पता चलता है। रंगमंच के लिए उपयुक्त हो जाता है।
- (7) कबीर के दोहे, तुलसीदास के पद, सुरदासजी के पद, जायसी के पद, बिहारी के श्रृंगारिक दोहे इन से छात्रों के सृजनशिलता में बढ़ाव होता है।
- (8) कुल मिलाकर छात्रों का हिंदी विषय के कारण सामाजिक, भावनिक, तथा बौद्धिक व्यक्तिमत्त्व का विकास होता है। दूरदर्शन, बैंक, विज्ञापन, अनुवादक, फिल्म आदि में अपने भविष्य को आजमा सकते हैं।

### Course Outcomes

#### सामान्य हिंदी (S.L.)

#### (बी.ए., बी.कॉम.)

- प्रस्तुत अध्ययन से मानवीय संवेदनाओं का विकास होता है। और इंसानियत की भावना को बढ़ावा मिलता है।
- हिंदी कहानी साहित्य का परिचय मिलकर हिंदी के प्रमुख लेखक, उनकी लेखन विशेषताओं का परिचय प्राप्त होता है।
- छात्रों के भाषाकौशल का विकास होता है।
- छात्रों में भाषा के महत्व के साथ ही व्याकरणिक सजगता निर्माण होती है।

#### प्रश्नपत्र - उपन्यास साहित्य

- छात्रों की साहित्यिक अभिरुचि का विकास और साहित्य आस्वादनका आनंद मिलता है।
- इंसानी जीवनमूल्यों का विकास और उनके प्रति आस्था निर्माण होती है।
- उपन्यास साहित्य की बारीकियों से परिचित करना और हिंदी उपन्यास साहित्य की पहचान होती है।
- लेखन और भाषाकौशल का विकास होता है ओसी परिचय।

#### प्रश्नपत्र 2 नाटक साहित्य

- हिंदी नाटकों और उसके बहाने साहित्य में नाट्य परंपराएँ, हिंदी रंगमंच, तथा व्यावसायिक नाटकों से परिचित होता है।
- 'विजय पर्व' नाटक द्वारा अशोक की जिंदगी का संघर्ष, युवराज से राजगद्दी और फिर राजगद्दी से निर्वाणतक का सफर, रक्तपात, लड़ाई की अपेक्षा शांतिपूर्ण संस्कारों को दृढ़ करता है।
  - पाठ्यक्रम का प्रेमचंद द्वारा लिखित 'होरी' नाटक किसानों की दयनीय दशा, जमीन से जुड़ना, पारिवारिक संघर्ष आदि का आस-पास नाटकके इन पात्रों का एहसास करते हैं। पढ़ाई के महत्व को समझते हैं और उनमें शिक्षाद्वारा आत्मनिर्भर बनाने का प्रयत्न करते हैं।
  - 'अलखआजादीकी' नामक नाटक भारतीय स्वतंत्रताकालेखा-जोखा प्रस्तुत करता है। अपने देश की वास्तविकता को छात्रों को समझाने का प्रयत्न करता है।

अपना परिवार, गाँव और देश के प्रति छात्रों में प्रेम राष्ट्रभक्ति का विकास करानेका काम नाटक द्वारा होता है।

- नाटक साहित्य के प्रश्नपत्र का अध्ययन करने के पश्चात हिंदी नाटक साहित्य की बारीकियों को पहचानने की क्षमता का संवेदनाओं के साथ ही नाटक का आस्वादन एवं नाटक की आलोचना करने की दृष्टि में विकास होता है।

प्रश्नपत्र 3 हिंदी गद्य साहित्य

- हिंदी कहानी और व्यंग्य साहित्य का अध्ययन होता है।
- इंसानी जीवनमूल्यों और संवेदनाओं का विकास और उनके प्रति आस्था निर्माण होती है।
- साहित्य आस्वादन और मूल्यांकन क्षमताका विकास होता है।
- हिंदी साहित्य की गद्य विधाओं का परिचय होता है।

प्रश्नपत्र - 4 एकांकी साहित्य

- छात्र प्रथम-सत्र में नाटकों का और द्वितीयसत्र में एकांकी का अध्ययन करते हैं और दोनों में साम्य तथा भेद समझ जाते हैं।
- एकांकीका के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं का अध्ययन तथा मूल्यों से छात्र परिचित हो जाते हैं। सामान्य एवं साधारण घटनाओं का मूल्य वे समझ जाते हैं।
- ऐतिहासिक और समस्यामूलक एकांकीओं से छात्रोंका परिचय होता है।
- "प्रतिनिधि महिला एकांकी" के अध्ययन से छात्र अपने व्यक्तिगत जीवन में भी महिलाओं का सम्मान करना सीख जाते हैं।

सामान्यहिंदी (SLIII & IV) बी.ए., बी.कॉम.)

- साहित्य आस्वादन अभिरुचि का परिसंस्कार होता है।
- हिंदी के आधुनिक गद्य साहित्य की प्रतिनिधिकी रचनाओं का परिचय होता है।
- अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का परिचय होता है।
- पत्रलेखन के प्रकार, आवेदन पत्र, बैंकिंग, सरकारी कार्यालय और प्रयोजनमूलक भाषा से छात्र परिचित होते हैं।
- जीवनमूल्य, भाव-भावना, आदि विधाओं के परिचय के साथ आधुनिक साधनों का भाषाई प्रयोग कैसे करें इसका परिचय भी मिलेगा।
- रेडियोवार्ता लेखन, समाचारलेखन, मीडिया के विविध आयाम, हिंदीभाषा की व्यवसायिक उपयोगिता।
- बैंकों में हिंदी वैश्वीकरणकेपरिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा का महत्व, उद्योग-व्यापार में हिंदी के सहारे कैसे आर्थिक प्रगति कर सकते हैं आदि बातों का परिचय होता है।

प्रश्नपत्र - कथेत्तर गद्य साहित्य

- छात्र हिंदी साहित्य कथेत्तर विधाओं से परिचित होते हैं।
- छात्र रेखाचित्र, निबंध, संस्मरण, जीवनीपरक लेख, व्यंग्य, आत्मकथा अंश, यात्रावृत्तांत, लेख आदि विधाओं से भली-भाँति परिचित होते हैं।
- हिंदी कथेत्तर गद्य संवेदना की परंपराओं का परिचय होता है।
- जीवनमूल्यों के प्रति आस्था होती है।

प्रश्नपत्र - प्रयोजनमूलक हिंदी

हिंदी भाषा के प्रयोजनमूलक रूपका परिचय होता है।

हिंदी भाषा की व्यावहारिकता का परिचय होता है।

- हिंदी के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्वरूपका मूल्यांकन कर पाते हैं।
- आधुनिक तंत्रविज्ञान में हिंदी की उपयोगिता का आकलन होता है।

प्रश्नपत्र - आधुनिक हिंदी कविता

- आधुनिक हिंदी कविता के प्रति छात्रों में अभिरुचि की वृद्धि होती है।
- नारीजीवनके संघर्ष और विद्रोह का परिचय होता है।
- रामायण रामचरितमानस तथा रामायण कथा से अलग सीता का चरित्र एक स्त्री का पुरुष के प्रति विद्रोह इस रूप में मिल
- छात्र विविधता के भाव और रसों से परिचित हो जाते हैं। साथ ही आधुनिक जीवन का बाजारीकरण, अर्थसत्ता परेशानिय

प्रश्नपत्र - प्रयोजनमूलक हिंदी

- हिंदीभाषा तथा राजभाषा हिंदी के विविध रूपों का परिचय होता है।
- प्रयोजनमूलक भाषा तथा अनुवाद की भूमिका का परिचय होता है।
- हिंदी भाषा के प्रयोजनमूलक और व्यवहारिक रूप का परिचय होता है।
- हिंदी के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप का मूल्यांकन होता है।
- आधुनिक तंत्रविज्ञान में हिंदी की उपयोगिता का आकलन होता है।

प्रश्नपत्र - प्रादेशिक साहित्य

- साहित्य आस्वादन और अभिरुचि का परिष्कार होता है।
- जीवनमूल्यों के प्रति आस्था निर्माण होती है।
- प्रादेशिक भाषा के साहित्य से परिचय करवाना।
- भारतीय साहित्य का अध्ययन कराना।

प्रश्नपत्र आदि तथा मध्यकालीन हिंदी साहित्य का इतिहास

- हिंदी साहित्य के इतिहास तथा आरंभिक काल का परिचय होता है।
- हिंदी साहित्य के लेखन स्रोतों एवं परंपराओं से परिचित होते हैं।
- हिंदी साहित्य के आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल का परिचय होता है।
- साहित्य आस्वादन और अभिरुचि का परिष्कार होता है।
- जीवनमूल्यों के प्रति आस्था निर्माण होती है।

प्रश्नपत्र साहित्यशास्त्र

- साहित्य चिंतन परंपरा का अध्ययन होता है।
- साहित्यालोचन क्षमता का परिचय होता है।
- साहित्य को पढ़ना, उसका चिंतन, आकलन,

मूल्यांकन और सृजन करना एक प्रकार की शास्त्रीय तकनीक है। छात्रों में इन सभी तकनीकीओं का विकास होता है।

- साहित्य का स्वरूप, तत्व, प्रयोजन हेतु, शब्द शक्तियाँ, रस, अलंकार, छंद, विविध विधाओं का स्वरूप तथा आलोचना आ
- साहित्य का मूल्यांकन करने का दृष्टिकोण विकसित तथा कलापक्ष पर प्रकाश डालने की क्षमता का विकास विकास होता

प्रश्नपत्र - प्रकल्पकार्य

- पठन-पाठन और लेखन कौशलों का विकास होता है।
- आलोचनात्मक क्षमता का विकास होता है।
- अनुसंधानात्मक दृष्टि का विकास होता है।
- प्रकल्प प्रस्तुति की तकनीक से छात्र परिचित होते हैं।

प्रश्नपत्र - मध्यकालीन काव्य

- भारतीय भक्ति आंदोलन का अध्ययन होता है।
  - रीतिकालीन संवेदनाओं का अध्ययन होता है।
- कविता के माध्यम से मध्यकालीन सांस्कृतिक संवेदना का अध्ययन होता है।
- भक्ति तथा रीतिकालीन पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियों से छात्रों का परिचय होता है।
  - साहित्य के चिंतन, आकलन और मूल्यांकन की तकनीकीओं का विकास होता है।

प्रश्नपत्र - आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास

हिंदी साहित्य के आधुनिककाल का परिचय होता है।

- हिंदी साहित्य के आधुनिककाल की पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियों से परिचित होते हैं।
- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी साहित्यकारों की भूमिका और उनके काव्य का परिचय होता है।

प्रश्नपत्र साहित्यशास्त्र

- साहित्यचिंतन परंपरासे परिचित होते हैं।
- साहित्यालोचन और सृजनक्षमता का विकास होता है।
- रस, अलंकार, छंद, विविध विधाओं का स्वरूप, आलोचना आदि अंगों का अध्ययन होता है।
- साहित्य के कलापक्ष का मूल्यांकन छात्र कर पाते हैं।
- छात्रों में साहित्यालोचन की दृष्टि विकसित होती है।

M.A.HINDI

प्रश्नपत्र - 1 आदि तथा मध्यकालीन साहित्य का इतिहास

- हिंदी साहित्य के इतिहास तथा आरंभिक काल का परिचय होता है।
- हिंदी साहित्य लेखन के स्रोत एवं परंपराओं से छात्र परिचित होते हैं।
- आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल का परिचय होता है।
- छात्रों में आस्वादन और अभिरुचि बढ़ती है।

- साहित्य के अध्ययन हेतु दृष्टि विकसित होती है ।

#### प्रश्नपत्र -2 भारतीय साहित्यशास्त्र

- भारतीय साहित्य चिंतनपरंपरा का अध्ययन होता है ।
- साहित्य के सृजन संस्कार होता है।
- साहित्य का स्वरूप, तत्व, प्रयोजन, हेतु, शब्द शक्तियां, रस, अलंकार, छंद, विविध विधाओं का स्वरूप तथा आलोचना
- समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होती है।
- साहित्य के अध्ययन हेतु पठन, चिंतन, आकलन, मूल्यांकन और सृजन हेतु दृष्टि विकसित होती है।

#### प्रश्नपत्र - भक्तिकालीन काव्य

- भक्तिकालीन कविता की पृष्ठभूमि से परिचय होता है।
- सगुण निर्गुण काव्यधारा की विशेषताओं पर प्रकाश गिरता है।
- भारतीय संस्कृति के उत्थान में भक्तिकाव्य का योगदान समझ में आता है।
- भक्तिकाल के विविध संतों के सामाजिक एवं धार्मिक विचारों का परिचय होता है ।

#### प्रश्नपत्र - उपन्यास साहित्य

- हिंदी उपन्यास साहित्य का विकासात्मक अध्ययन होता है।
- उपन्यास के आस्वादन एवं आलोचनात्मक क्षमता का छात्रों में विकास होता है।
- हिंदी उपन्यास और युगबोध पर प्रकाश गिरता है।
- हिंदी उपन्यासकारों का परिचय होता है।

#### प्रश्नपत्र - आधुनिकसाहित्यका इतिहास

- हिंदी साहित्य के आधुनिककाल और परंपरा से छात्र परिचित होते हैं।
- आधुनिककाल की पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियों से छात्र परिचित होते हैं ।
- साहित्य और युगबोध का परस्पर अंतरसंबंध छात्र समझ पाते हैं।
- साहित्य के सामाजिक और अधुनातन पहलुओं से छात्र परिचित होते हैं ।
- इतिहासबोध एवं आलोचना का अध्ययन छात्रों को होता है।

#### प्रश्नपत्र - पाश्चात्यसाहित्यशास्त्र

- पाश्चात्य साहित्यचिंतन परंपरा का अध्ययन छात्रों को होता है।
- अधुनातन आलोचना की दृष्टि का अध्ययन छात्रों को होता है।
- छात्रों में आलोचनात्मक क्षमता का विकास होता है ।
- छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित होती है ।
- छात्रों में साहित्य के अध्ययन हेतु पठन, चिंतन, आकलन, मूल्यांकन और सृजन हेतु दृष्टि विकसित होती है।

## प्रश्नपत्र - रीतिकालीनकाव्य

छात्रों को रीतिकालीन कविता की पृष्ठभूमि का अध्ययन होता है।

- रीतिबद्ध, रीतिमुक्त और रीतिसिद्ध का अंतर छात्र समझ पाते हैं।
- रीतिकालीन साहित्य लेखनकी परंपरा से छात्र परिचित होते हैं।

## प्रश्नपत्र - कहानी साहित्य

- बीसवीं सदी की हिंदी कहानी का परिचय छात्रों को होता है ।
- हिंदी कहानी और प्रमुख कहानी के आंदोलनों का परिचय छात्रों को होता है ।
- हिंदी के प्रमुख कहानीकारों से छात्र परिचित होते हैं।
- समकालीन दलित, स्त्री और आदिवासी विमर्श पर छात्र प्रकाश डाल सकते हैं।
- कहानीविधा का तात्विक विवेचन छात्र कर पाते हैं |

## प्रश्नपत्र- भारतीय साहित्य

- भारतीय साहित्य की अवधारणा का परिचय छात्रों को होता है।
- भारतीय भाषा साहित्य और भारतीयता की पहचान छात्र कर पाते।
- तुलनात्मक अध्ययन की अवधारणा छात्र समझ पाते हैं।
- साहित्य के प्रतिनिधि रचनाकारों का परिचय छात्रों को होता है।

## प्रश्नपत्र भाषाविज्ञान

- भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन छात्र कर पाते हैं।
- भाषा अध्ययन की प्रक्रिया छात्र समझ पाते हैं।
- भाषा अध्ययन के ऐतिहासिक परिदृश्य का अध्ययन छात्रों को होता है ।
- हिंदी भाषा के उद्भव और विकास का परिचय छात्रों को होता है।
- भाषाविकास और परिवर्तन का अध्ययन छात्र कर पाते हैं।

## प्रश्नपत्र - स्वतंत्रतापूर्व हिंदी कविता

- स्वतंत्रतापूर्व हिंदी कविता के विकासक्रम का अध्ययन छात्रों को होता है।
- कविता के माध्यम से जन संवेदना का अध्ययन छात्र कर पाते हैं।
- स्वतंत्रतापूर्व काव्य रूपोंका अध्ययन छात्रों को होता है ।
- काव्यस्यादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास छात्रों में होता है।

## प्रश्नपत्र - प्रयोजनमूलक हिंदी

- प्रयोजनमूलक भाषा तथा अनुवाद की भूमिका का परिचय छात्रों को होता है।
- हिंदी के प्रयोजनमूलक और व्यवहारिक रूप को छात्र समझ पाते हैं।



- हिंदी का राष्ट्रभाषा के रूप में मूल्यांकन छात्र कर पाते हैं।
- हिंदी के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप का परिचय छात्रों को होता है।
- आधुनिक तंत्रज्ञान में हिंदी की उपयोगिता का मूल्यांकन छात्र कर पाते हैं।
- प्रयोजनमूलक भाषा के सैद्धांतिक और भाषिक कौशलों का अध्ययन छात्रों को होता है।

#### प्रश्नपत्र भारतीयसाहित्य

- भारतीय साहित्य की अवधारणा का परिचय छात्रों को होता है।
- भारतीय भाषा साहित्य के अध्ययन की मदद से भारतीयता की पहचान छात्रों को होती है।
- तुलनात्मक अध्ययन की अवधारणा का अध्ययन छात्र कर पाते हैं।
- भारतीय साहित्य के प्रतिनिधि रचनाओं का अध्ययन छात्रों को होता है।
- भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याओं का अध्ययन छात्रों को होता है।

#### प्रश्नपत्र - हिंदी भाषा का इतिहास

- हिंदी भाषा का संरचनात्मक अध्ययन छात्र कर पाते।
- हिंदी भाषा के विकासक्रम को छात्र समझ पाते हैं।
- हिंदी की बोलियों का अध्ययन छात्र कर पाते हैं।
- देवनागरी लिपि के गुण-दोषोंपर छात्र प्रकाश डाल पाते हैं।

#### प्रश्नपत्र -स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता

- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता के विकासक्रम का परिचय छात्रों को होता है।
- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता के माध्यम से स्वातंत्र्योत्तर जनसंवेदनाओं का अध्ययन छात्र कर पाते हैं।
- स्वातंत्र्योत्तर काव्यरूपों का अध्ययन छात्रों को होता है।
- कविता के कलापक्ष को समझने की दृष्टि छात्रों में विकसित होती है।

#### प्रश्नपत्र माध्यमलेखन

- जनसंचार के माध्यमों का परिचय छात्रों को होता है।
- माध्यम हेतु उपयोगी लेखन का सैद्धांतिक स्वरूप छात्र समझ पाते हैं।
- माध्यम लेखन कौशलों का विकास छात्रों में होता है।

## Marathi Outcome

B. A. I Pap.I&II (S.L.) Prose-Verse and Applied Marathi

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Have the knowledge of daily use of Marathi language and its application.
- 2) Develop Linguistic skills of Marathi language .

- 3) Develop an interest in Marathi language.
- 4) Have the formal knowledge of Marathi language on administrative level and the practical level.
- 5) Have employment opportunities in various fields related with Marathi language.

B.A. I (Optional Marathi)  
paper. I (Poetic Literature)

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Develop a passion for Marathi poetry composition.
- 2) Be aware with the formal knowledge of the language.
- 3) Be acquainted with the awareness created by the poems of modern poets.
- 4) Get inspiration .

Pap.II (Dramatic Literature )

- 1) Be acquainted with Marathi dramatic tradition.
- 2) Have the knowledge of the problems prevailing in the society .
- 3) Develop the interest for the eradication of bad practices like dowry, superstitions, etc.

paper. III Narrative Literature

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Have the knowledge of narrative literature.
- 2) Gain the knowledge of Marathi story literature.
- 3) Know the art of Marathi storytelling.
- 4) Create interest in Marathi stories and connect it to real life.

Writing Skills for Print Media

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Know the nature and information regarding print media.
- 2) Be able to write news in Marathi.
- 3) Know the nature of interview and to write headlines.
- 4) Be acquainted with the importance of print media in today's world.

B. A. II

Prose-Poetry & Applied Marathi

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Get the knowledge of daily use of Marathi language and its application.
- 2) Develop Linguistic skills of Marathi language .
- 3) Develop an interest in Marathi language.
- 4) Have the formal knowledge of Marathi language on administrative level and the practical level.
- 5) Have employment opportunities in various fields related with Marathi language.

S.Y. B.A. Marathi Paper (Opt.)

History of Modern Marathi literature

(1800 – 1920)

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Study Modern Marathi literary history .
2. Understand contemporary social, cultural background, social movement and ideology of Marathi literature during 1800 - 1920 .
3. Know the Background of authors & their literary work of the then period.
4. Study translated literature & various types of literature like story, poetry, novel, biography, autobiography, etc. of the period.

S.Y.B.A, Marathi Paper Paper VI, VIII (Writing skill for audio-visual media

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Have an introduction to the function and structure of radio and television language.
2. Become anchors for radio.
3. Have various ideas for production of different programs on radio.
4. Know various websites and webpages for media purposes.

S.Y.B.A. Marathi Paper VII (Opt.)

History of Modern Marathi literature. (1800 – 1920)

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Be acquainted with emergence culture, tradition and development of Marathi theatre.
2. Know the contribution of the Father of Musical play (sangit natak) Annasaheb kirloskar to Marathi literature.
3. Study translated literature & other various types of literature like periodic literature, story, poetry, novel, biography, autobiography, etc.
4. Understand the contribution of Keshavasut (Father of modern Marathi poetry) and his contemporaries.

B.A. III Pap. IX Indian Literary Thought

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Realise the concept of literature realized.
- 2) Get acquainted with the Indian literary thought.
- 3) Know what Marathi literature is about.
- 4) Get knowledge of the purpose of literature, the creation of literature and its process.
- 5) Understand the basic human tendencies like affection, anger and pleasure, etc. embedded in Marathi literature.

Pap. X Linguistics : Grammar and Essay

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Understand the structural patterns of sounds in Marathi language.
- 2) Get information about the history and the development of Marathi language and its spoken forms.
- 3) Get knowledge of the movement of various sense organs for the formation of Marathi sounds.
- 4) Get knowledge of grammar of Marathi language.
- 5) Understand the nature, form and the characteristics of the essay in Marathi .
- 6) Get clear ideas about the production of vowels, consonants and their pronunciation in Marathi language.

Pap. XI, XV

History of Medieval Marathi Literature

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Get information about the then culture and social structure.
- 2) Acquire the knowledge of Mahanubhav Sect and its contribution to Marathi literature.
- 3) Get acquainted with the contribution of Aadyakawi Mukundraj for literature and the society.
- 4) Study the contribution of Warkari Sampradaya (Warkari sect) and its literary contribution.
- 5) Understand Panditi literature and its inspiration, speciality and structure.
- 6) Understand the contribution of Shahiri literature, its inspiration ,structure and speciality.

: Pap.XII & XVI

Project Work

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Develop their aptitude for research work.
- 2) Get encouraged for research work.
- 3) Become acquainted with the methodology of the research.
- 4) Get the experience of the research work.
- 5) Develop analytical skill and creative thinking required for the research work.

## **DEPARTMENT OF MUSIC**

Programme Specific Outcomes of Music

After studying Music at U.G. level students will be able to

PSO 1. Understand basic concept of Indian classical music.

PSO 2. Learn basic concept of light music and Instrumental music.

PSO 3. Understand notion of various Raagas and their presentation.

PSO 4. Get knowledge of various Gharanaes .

PSO 5. Start their own musical groups.

PSO 6. Learn various forms of music.

PSO 7. Work as music teachers in schools, colleges and music academy.

PSO 8. Learn aroh, avrohas & alankaras.

PSO 9. Understand voice culture, various light forms of music and Presentation of light music.

## **DEPARTMENT OF PHYSICAL EDUCATION AND SPORTS**

Programme Specific Outcomes

The students having Physical Education and Sports will be able to

PSO 1) Get an opportunity to make career in sports at National and at International level.

PSO 2) Understand the importance of games for being healthy citizens.

PSO 3) Develop leadership by participating in various games.

PSO 4) Have a scope in Government services.

PSO 5) Acquire the positive values, attitudes and a good foundation for their lifelong and

life-wide learning through physical education.

PSO 6) Develop physical fitness.

PSO 7) Prepare themselves for competitive games.

PSO 8) Understand rules and regulations and the fundamental skills of the games.

PSO 9) Learn how psychology helps them to face challenges in sports and in life.

Course outcomes

B.A. 1st Year (Semester-I&II):-

Paper - Philosophical, Sociological Foundation & History of Physical Education

(Phy.Edu.-101):

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Have an introduction to the theoretical concept of philosophical and sociological foundation of Physical education.
2. Acquire knowledge regarding the fundamentals of sociological foundation .
3. Know the history of physical education.

Paper -Principle & Recent development of Physical Education (Phy.Edu.-102):

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Develop their physical competence.
2. Acquire the knowledge of safe movement.
3. Know the principle and recent development of physical education.
4. Acquire the positive values, attitudes and a good foundation for their lifelong and life-wide learning in physical education.

Paper -Practical in Physical Education (Phy.Edu.-103):

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Prepare themselves for competitive games.
2. Develop their game skills & abilities.
3. Increase their stamina.

B.A.IIrdYear (Semester-III&IV):-

Paper -Health Education & Recreation in Physical Education and Sports (Phy.Edu.-201):

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Become aware about their own health.
2. Acquire knowledge about the Health Education and recreation in Physical Education and sports.
3. Develop their personality.
4. Develop their socialization through recreation in physical education.

Paper - Officiating, Coaching & Training Methods in Physical Education and Sports (Phy.Edu.-202):

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Acquire knowledge of officiating, coaching & training methods.
2. Know the various training methods of fitness.
3. Know the importance of officiating in physical education and sports.
4. Study fundamental and advanced skills of Indian games.

Paper -Practical in Physical Education (Phy.Edu.-203):

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Prepare themselves for competitive games.
2. Develop their game skills & abilities.
3. Understand track and field events.
4. Understand rules and regulations and the fundamental skills of the games.

B.A.IIIrdYear (Semester-V&VI):-

Paper -Ancient & Modern History of Physical Education and Sports (Phy.Edu.-301):

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Know the ancient and modern history of physical education and sports.
2. Create the interest in Ancient & Modern History in Physical Education and Sports.

Paper -Sports Psychology & Management in Physical Education and Sports (Phy.Edu.-302):

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Know the basic principles of psychology in physical education.

2. Learn how psychology helps them to face challenges in sports.
3. Learn how to manage issues like stress, health problems, personal relationships, communication and self-esteem.

Paper - Organization, Administration & Supervision in Physical Education and Sports Youth Welfare and Youth Services (Phy.Edu.-303):

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Acquire the knowledge of organization and administration in physical education.
2. Use this knowledge in sports competition.
3. Understand the importance of supervision in Physical Education and sports.

Paper - Anatomy, Physiology and kinesiology of Physical Education(Main) (Phy.Edu.-304):

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand anatomy, physiology and kinesiology of physical education.
2. Understand the effects of anatomy, physiology and kinesiology in physical education.
3. Understand how anatomy, physiology help to understand how the human body responds to physical activity.
4. Understand the working of all the systems of human body and their mutual relationship.

Paper -Practical in Physical Education

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Prepare themselves for various competition of games.
2. Develop game skill & abilities.
3. Cultivate interest in physical education and sports.
4. Develop fitness and Co-ordination of body.
5. Create improvement in their physical and mental abilities.

## **DEPARTMENT OF HOME SCIENCE**

Programme Specific Outcomes of B.A. Home Science

The students having BA, Home Science will be able to

- PSO 1) Acquire knowledge about Family Resource management.
- PSO 2) Understand the nutritional quality of food and nutrition.
- PSO 3) Understand the role of dietician which can be helpful for modifying the normal diet for therapeutic purpose.
- PSO 4) Understand the importance of Prenatal Development and early Childhood Development.
- PSO 5) Be familiar with the nature of developmental pattern in adulthood & old age.
- PSO 6) Understand the technical skills in clothing construction.
- PSO 7) Be encouraged about undertaking entrepreneurship in Home science.
- PSOs 8) Gain knowledge regarding textile and clothing.
- PSO 9) Understand the process of communication in development work.
- PSO 10) Be aware about the areas of adjustments in marriage and family.
- PSO 11) Know the essentials of Interior decoration.

Course Outcomes of Home Science

Paper I -Family Resource Management

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Understand the family resources.

- 2) Acquire knowledge about, the management process.
- 3) Develop the ability to improve the work within less time & fatigue.
- 4) Understand the ability how to make household budget to each income group.

#### Paper II- Foods & Nutrition

Students having this course at the time of graduation will be able to acquire knowledge in the following fields.

- 1) Role of food and functions of nutrients.
- 2) Different sources and deficiencies of nutrients.
- 3) The nutritional quality of food and nutrition.

#### Paper- III- Human Development

(Prenatal Development and early Childhood Development)

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Study the meaning & scope of Human Development.
2. Understand the importance of Prenatal development.
3. Know the adjustmental problems of infancy.

#### Paper IV - Textiles and clothing (Clothing Construction) :

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Make proper choice of fabrics.
2. Gain knowledge regarding textile and clothing.
3. Impart creative and technical skills in clothing construction.
4. Develop skills in embroidery.
5. Get encouragement for entrepreneurship.

#### Basy

##### Paper -Extension Education

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand the meaning, importance and need of Home science Extension Education.
2. Impart knowledge of extension Education.
3. Understand the process of communication in development work.
4. Get acquainted with the terms in extension approaches and models.

#### VIII- Textiles and clothing

(Garment Designing and Painting)

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Impart knowledge about the basic principles of design and painting.
2. Know about important aspects of clothing.
3. Gain knowledge about wardrobe planning.
4. Impart knowledge regarding selection of clothe for different age group, texture and fabric.

#### IX-Development (Late Childhood and Adolescent)

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Appreciate the sequential stages of development during late childhood.
2. Understand the behavioral problems during Late childhood.
3. Be aware regarding the need and skills to be developed for self improvement.
4. Know the development and behaviors during adolescence.

## Paper XI- Food and Nutrition

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Gain acquaintance with human gastro intestinal tract.
2. Understand the concept of an adequate diet and importance of meal planning.
3. Know the different methods of food preservation.
4. Be aware of the effect of food poisoning and food adulteration.
5. Gain the knowledge about the nutrient needs for various age groups.

## Paper IX- Marriage and Family Dynamics.

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand the merits & demerits of marriage and family system
2. Be aware about the areas of adjustments in marriage and family.
3. Share knowledge about the laws related to women, marriage and family.
4. Develop awareness about counseling.

## Paper X-Housing and Interior Decoration

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Recognize the role of housing in integrated development.
2. Know the essentials of Interior decoration.
3. Study the landscape designing and its application.

## Paper XI - Nutritional Management in Health and Diseases.

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Know the principles of diet therapy.
2. Understand the role of dietician.
3. Understand the modifications of normal diet for therapeutic purpose.

## **Program Specific outcomes of History**

Students having this Specific Programme at the time of graduation will be able to

1. Understand the history of various cultures, religious and regions.
2. Highlight the importance of past in exploration of present context.
3. Develop the ability to recognize the diversity of human experience, including ethnicity, race, language and gender.
4. Acquire the knowledge of the Socio ,–economic, cultural and political background of many centuries.
5. Understand the history of Indian National movement.
6. Develop an aptitude for historical analysis of documents .
7. Develop the ability to think critically and historically.
8. Highlight the importance of past in exploration of present context.

## Course outcomes

Paper title: Shivaji and His Times (1630-1818)

Students having this course at the time of graduation will be able to



1. Introduce innovative study techniques in the study of History of Maratha
2. Understand the secularism of the Maratha ruler .
3. Introduce International elements in the study of Marathas to facilitate comparative analysis of this history.
4. Highlight the importance of past in exploration of present context.
5. Understand the Socio –economic, cultural and political background of 17th century Maharashtra.

Paper title: History of Modern Maharashtra (1818-1960)

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Have an introduction to the study of Maharashtra.
2. Be acquainted with the basic understanding of how Maharashtra has grown to the present position .
3. Develop comprehensive understanding of interdisciplinary issues of the society.

Paper title: History of Early India (up to B.C. 300)

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Know ancient Indian history .
2. Understand various cultures and religions prevailing in India since ancient times.
3. Increase the spirit of healthy nationalism & secularism.
4. Understand the past and the obstacles that impede India's progress as a nation.

History of Mughal India (A.D. 1526- A.D. 1757)

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Be acquainted with the history of Mughal India.
2. Understand Mughal contribution of unique architecture in the form of monuments including the Taj Mahal.
3. Know how and why the Muslim Mughal Dynasty built splendid palaces, tombs, minars and forts.
4. Know the policies and administration of the Mughal Empire.

Paper title:

Historiography

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Study the development of history as a special discipline.
2. Study the writing of historical accounts.
3. Indicate the importance of thinking "historiographically" as well as historically.

Paper - History of Indian national Movement (A.D. 1885-  
A.D. 1947)

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand the history of Indian National movement.
2. Have a comprehensive understanding of the transformations in the economy of colonial India.
3. An introduction of land and agrarian policies under the British rule.
4. Be acquainted with the endeavors for reconstruct of India.
5. Develop the attitude of nationalism.
6. Understand British economic policies and Indian revolt.

## **Program specific outcomes of Urdu language**

The students having BA/B.com Urdu language will be able to.....

- Pso1\_ Do in-depth study of prose and poetry of Urdu literature.
- PSo2\_ Have new employment opportunities through Urdu journalism.
- PSO3\_ Secure jobs in the field of media and internet through Urdu language.
- PSo 4\_ Get a chance to make a career as Urdu poets.
- PSO5\_ Become teacher of Urdu.
- PSO6\_ Be Urdu translator.

#### Course outcomes - Urdu

##### B.A second language Urdu ( SL )

The students having BA second language Urdu will be able to.....

- CO1\_ Have general introduction to Urdu prose and it's various types.
- CO3\_ Develop the ability to speak and write in order to understand correct and good Urdu.
- CO4\_ Study various disciplines of Urdu poetry.
- CO5\_ Have deep study of Urdu poetry, drama, prose and other varieties of literature.

##### B.A optional Urdu course outcomes

Paper - Gazal aur Ilma e Bayan.

Paper - Dastan.

The student having B.A. F. Y optional Urdu language will be able to.....

- CO1\_ Explain the importance and meaning of Urdu lyrics .
- CO2\_ Develop hidden creativity .
- CO3\_ Generate interest in Urdu fictional literature.
- CO4\_ Understand the usefulness of the story in the development of Urdu literature.
- CO5\_ Acquire the knowledge of Urdu poetry and it's structure.
- CO6\_ Study Urdu lyrics in depth.
- CO7\_ Explain the difference between lyrics and narrative.

Paper\_ Nazam aur Qita

Paper\_ Novel

The student having optional Urdu language will be able to.....

- Co1\_ Explain the importance of Urdu poetry.
- Co2\_ Develop an interest in poetry and discuss in particular Urdu poetry topics.
- Co3\_ Explain the importance and usefulness of the novel in the development of Urdu literature.
- Co4\_ Provide the information of Urdu Qita Nihari.
- Co5\_ Critically analyze and undertake research study of Urdu poems.
- Co6\_ Provide information about Urdu poetry and poets.

##### B.A.S.Y

Paper -Qasida aur Marsiya.

Paper -Masnavi aur Rubai.

the student having B.A. S.Y optional Urdu will be able to.....

- Co1\_ Improve in depth knowledge of Qasida and Marsiya Masnavi and Rubai.
- Co2\_ Increase creativity.
- Co3\_ Develop critical and research ability.
- Co4\_ Study various Urdu poems critically.
- Co5\_ Have critical study of poets.

Paper\_ Afsana

Paper\_ Drama

The students having BA SY optional Urdu will be able to.....

- Co1\_ Explain the importance of fiction and drama in the development of Urdu literature.
- Co2\_ Introduce secularism prevailing in Urdu literature.

- Co3\_ Understand fundamental aspects of Urdu fiction and drama.  
Co4\_ Have a critical study of Urdu Afsana and drama.  
Co6\_ Review and analyse Urdu drama and Afsana critically.

B.A.T.Y

Paper\_Maktoob

Paper\_Inshaiya

Paper\_Adabi Tanqueed

The students having BA TY optional Urdu will be able to.....

Co1\_ Highlight the importance of Inshaiya Nigari.

Co2\_ Develop critical and analytical ability.

Co3\_ Highlight the role of criticism in the evolution of literature.

Co4- Have in depth knowledge of Maktoob Nigari and Inshaiya Nigari.

CO5- Become aware of literary importance and utility of Urdu criticism.

Co6- Review Eastern and Western critics critically.

B.A.T.Y

Paper -Khaka Aur Swaneh

Paper -Safar Nama Aur Reportage

Paper -Jadeed Zarai Iblagh aur Tarj

Uma Nigari

Student having BA TY optional Urdu will be able to.....

Co1\_ Create awareness regarding Urdu literature.

Co2\_ Develop the creative ability to write Kha Ka and Swaneh.

Co3\_ ability to write travelogues & reports in Urdu language.

Co4\_ Introducing Urdu as a representative language of common civilization.

B.A.T.Y

(Project work)

Paper- Mansooba \_ Amal

The students having BATY optional Urdu will be able to.....

Co1\_ Develop ability to present literary topics in the best way possible.

Co2\_ Develop the ability to study selected topics and present them in writing.

Co3\_ Realise & clarify the linguistic & literary significance & usefulness of Urdu.

Co4\_ Develop critical, analytical and research aptitude.

[B.COM](#) Second language urdu course outcomes

The students having [B.COM](#) second language urdu will be able to.....

Co1- Promote Urdu poetry trends.

CO2- Improving the ability to translate .

Co3- Develop Urdu essay writing skills.

Co4- Provide correct pronunciation of urdu sounds.

## **Course Outcomes : Political Science**

B.A. I

Paper I

Fundamentals of Political Science: -

The students having Fundamentals of Political Science will be able to...

Co1) Have an awareness of politics.

Co2) Understand the concept of ideal citizenship.

Co3) Create to an awareness about democracy.

Co4) Understand the concept of welfare state.

B.A. I

Paper II

Government and Politics of Maharashtra: -

The students having government and politics of maharashtra will be able to...

- Co1) Obtain the Information about the Government of Maharashtra.
- Co2) Know the functions and role of the Chief Minister.
- Co3) Have the information about the Governor's role.
- Co4) Have the knowledge of the justice system in Maharashtra.
- Co5) Acquire the knowledge of party system in Maharashtra.

B.A II

Indian Government and Politics: -

The students having Indian Government and Politics will be able to...

- Co1) Understand the system of governance in India.
- Co2) Understand the role of the President.
- Co3) Have the knowledge of Indian democracy.
- Co4) Understand the nature and structure of the Indian justice system.

B.A II

International Relations: -

The students having International Relations will be able to...

- Co1) Study international politics.
- Co2) Have the knowledge of India's foreign policy.
- Co3) Know the history of the separatist movement.

B.A III

Indian Political Thought: -

The students having Indian Political Thought will be able to...

- Co1) Know the ideas of Indian political thinkers.
- Co2) Exchange views on Indian diplomatic thinkers.
- Co3) Understand the importance of political thinkers' ideas in modern times.

B.A III

Western political ideology: -

The students having western political ideology will be able to...

- Co1) Understand Western political ideology.
- Co2) Review the social enlightenment brought by Western thinkers.
- Co3) Know the idea of an ideal state introduced by Western thinkers.
- Co4) Understand how the then ideas fit into the present.

B.A III

Political Thought: -

The students having political thought will be able to...

- Co1) Understand the concept of political thinking.
- Co2) Study liberal ideology.
- Co3) Gain the knowledge of the system of political thought.
- Co4) Identify Marxist thinking.
- Co5) Understand neo-Marxist thinking.

B.A III

Research Project:-

The students having research project will be able to...

- Co1) Develop an interest in research.
- Co2) Understand the methodology of research.
- Co3) Undertake research on important topics and find solutions.

## **Sociology course outcomes**

Paper first

Introduction to Sociology

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Get acquainted with the knowledge of sociology.

2. Understand the concept of the creation and the development of sociology.
3. Develop sociological aptitude.

#### Paper second

##### Individual and Society

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Study the means of Sociology.
2. Get stimulated for the study of sociological point of view.
3. Become aware to preserve and foster Indian culture.

#### BA 2nd year

##### Paper V

##### Problems of Rural India

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Study rural development.
2. Become aware that India is agriculture oriented country.
3. Know various problems of rural area.

##### paper 6 - Urban Contemporary Issues

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand very well the process of urbanization.
2. become aware with the consequences of the increase in population.
3. Know urban problems.

#### Sociology BA ty paper

##### 9th Sociological Traditions

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Gain the knowledge of sociological thinking.
2. Get acquainted with sociological thinkers.
3. Know various theories of Sociology.

#### Paper 10th

##### Introduction to Research Methodology

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Develop an aptitude for research.
2. Have the awareness for innovation.
3. Develop analytical skills.

#### Paper 11

##### Urban Society in India

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Gain the knowledge of Indian urban society.
2. Become aware with Indian social problems.
3. Have the knowledge of Indian modernization process.

## **Department of Economics**

After studying Economics at U.G. level students will be able to

PSO1 – Have the basic knowledge of various Components of Economy.

PSO2 - Understand the relationship between employment and development.

PSO3 - Understand the difference between rural & urban unemployment.

PSO4- Have the knowledge of the Composition of Industrial sector of India.

PSO5 - Be acquainted with the Economic policies of Koutilya, his concept of welfare

state and principle of taxation.

PSO6 - Have the knowledge of Maharashtra co-operative movement 1904 and the evolution of Co- operative Movement of Maharashtra.

PSO7- Analyze Micro Economic policies including fiscal and monetary policies of India.

PSO8- Determine Economic variables including inflation, unemployment poverty, GDP, Balance of payments using statistical methods etc.

PSO9- Have the knowledge of Index number, value of money and its measurement, and various concepts.

PSO10- Understand the Economic development growth, sources of public finance, Direct and Indirect Tax, etc.

PSO11- Understand the behavior of Indian and World economy.

Paper title: Micro Economics

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand the economic behaviour and foundation of Economics.
2. Understand the behavior of an economic agents specifically consumer, producer, seller and factors of production.
3. Take proper decisions while establishing business.

Paper: Indian Economy

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Be aware about the situation of economy to be the successful entrepreneur.
2. Have an awareness about the facts of the strong and weak economy.
3. Be successful in competitive exams because of the knowledge of economy.

Paper- Price Theory

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Have the knowledge of types of markets and price determination.
2. Determine the price of product which will be produced in the future.

Paper- Money, Banking and Finance

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand the monetary and banking system of the country.
2. Gain the knowledge which is beneficial to be successful as entrepreneurs.
3. Have the knowledge of the monetary institutions.

Paper-Macro Economics

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand what Macroeconomics is.
2. Have the knowledge of community Economic behaviour in certain economic situations.
3. Gain the knowledge of Government and Institutions' policies related with economics.

Paper- Economics of Development

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand the Economics of development.
2. Have the knowledge about development theories and success history of development.

Paper- Public Finance

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Be acquainted with Public finance.
2. Have knowledge of the fiscal policy and public revenues .

3. Have the knowledge of public expenditure, tax system ,etc.
4. Get support to take decisions of business to get benefit from government policies.

#### Paper: Statistical Method

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand statistical methods.
2. Have the knowledge of data and use of statistical tools.
3. Get job in department of statistics, NSSO, CSO, Banks and National-International research institutes.

#### Paper: International Economics

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Have the knowledge of international Economics.
2. Study various trends of international Economics.
3. Have the knowledge of global policies of international trade.

#### Paper: Agricultural Economics

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Acquire the knowledge of agricultural economics.
2. Know the importance of agriculture sector in Indian Economy.
3. Undertake farming as business and make business policies according to the situation.

#### Paper- History of Economic Thoughts

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Be acquainted with the history of economic thoughts.
2. Be an economist by studying the history of economic thoughts.
3. Develop the skill to develop new economic theory.

#### Paper-: Research Methodology

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Develop research aptitude.
2. Be acquainted with various methodologies of research.
3. Be inspired for undertaking research.

#### Paper-: Industrial Economics

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Be acquainted with industrial economics.
2. Understand the structure of the economy and progress of industrialization.
3. Be aware with the scope of industrial establishment and may try hands in establishing industrial business.

#### Paper-: Indian Economic Thinkers

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand the tradition of Indian economic thinkers.
2. Research and work on Indian economic thinkers.
3. Have the knowledge of various trends of Indian economy.

#### Programme Specific Outcomes for Geography

Students having this Specific Programme at the time of graduation will be able to

1. Read, interpret, and generate maps and other geographic representations .
2. Analyze, extract, and present information from a spatial perspective.
3. Have a general understanding of physical geographic processes, the global distribution of landforms and ecosystems.
4. Know the role of the physical environment on human populations.
5. Have a general understanding of global human population patterns and the factors influencing the distribution and mobility of human populations.
6. Have a general understanding of the various theoretical and methodological approaches in both physical and human geography
7. Develop research questions and critically analyze both qualitative and quantitative data to answer those questions.
8. Understand global and regional patterns of cultural, political and economic institutions, and their effects on the preservation, use and exploitation of natural resources and landscapes.
9. Develop an understanding of the concepts of place ,region and space.
10. Understand general demographic principles and their patterns on regional and global scales.
11. Locate on a map major physical features, cultural regions, and individual states and urban centers.
12. Understand the key concepts in physical geography .
13. Understand the influence of climate, geology, and human activities in shaping the earth surface.
14. Use the scientific methods to assess environmental problems.

## **Course outcomes of Geography**

Paper title :Elements of Physical Geography

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Understand natural Geography.
- 2) Know various branches of natural Geography.
- 3) Learn the nature and extent of natural Geography.
- 4) Know the structure of the earth's interior through natural Geography.
- 5) Learn about the various forms of earthquakes and volcanoes.

Human Geography

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Know the nature and scope of human geography and various branches of human Geography.
- 2) Understand the interrelationship between human and nature.
- 3) Know the life of human groups residing in different parts of the world.
- 4) Understand the differences between human populations and their types.

Geography of Landforms

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Get an idea of the landforms, their types and the erosion cycle.
- 2) Become aware of the various processes of fissures in nature.
- 3) Learn about erosion, accumulation.
- 4) Know about convection of river glaciers, winds, and ocean waves that work on land.
- 5) Study the applied geophysics between human habitable, land use and mineral resources.

Climatology

Students having this course at the time of graduation will be able to



- 1) Acquire the knowledge of climatology.
- 2) Understand the importance nature and the scope of Climatology.
- 3) Gain the knowledge of solar energy and heat and it's unequal distribution and also the factors responsible for it.
- 4) Get the knowledge of the environmental pressure ,evaporation and the types of monsoon.

### Population Geography

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Understand the nature, scope and the necessary information regarding population Geography.
- 2) Acquire the knowledge of population distribution, density of population, mortality, increase in population , etc.
- 3) Get information regarding the structure of regional and global population.
- 4) Gain the knowledge of migration of population, the reasons of migration and its effects.

### Oceanography

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Understand the knowledge of Oceanography and the structure of Oceanography.
- 2) Acquire the knowledge of the structure of the death of Oceanography.
- 3) Get the knowledge regarding the various oceans of the world.
- 4) Get the knowledge of minrality and temperature of the ocean and the factors affecting it.

### Settlement Geography

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Acquire the information related with urban and rural settlement geography.
- 2) Be acquainted with the location of settlement and the factors affecting it.
- 3) Know various types of settlement and their functions.
- 4) Understand various structures of settlements ,their sizes and other features.
- 5) Know the human settlements and their types in India.

### Regional Geography of Maharashtra

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Understand the natural location, extent, size and natural divisions of the state.
- 2) learn about climate, soil and natural resources in Maharashtra.
- 3) Know about the distribution of various crops in Maharashtra
- 4) Learn about the industries based on various crops that are taken in Maharashtra.

### Physical Geography of India

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Understand the Physical Geography of India
- 2) Be aware with the natural diversity, size and unity of physical Geography of India.
- 3) Get information about rivers in India, their importance and about weather and monsoon.
- 3) Gain knowledge about soil type and its distribution in India.
- 4) Get the knowledge of plant types and its distribution in India.

### Geography of Environment

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Understand the nature,scope, importance and types of environment.
- 2) Get knowledge about Ecosystem and it's Structure.

- 3) Understand Nutrient Cycles, Food Chain and types of Ecosystems.
- 4) Learn about environmental issues, global warming, etc.

#### Industrial Geography of Maharashtra

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Understand the Industrial Geography of Maharashtra.
- 2) Know the nature and scope industrial geography of Maharashtra.
- 3) Know the industrial progress of Maharashtra.
- 3) Know how industries in Maharashtra affect the economic progress of Maharashtra.
- 4) Learn about the impact of globalization on the industrial sector of Maharashtra.

#### Geography of Resources

Students having this course at the time of graduation will be able to

- 1) Understand the nature, scope and importance of geography of resources
- 2) Gain knowledge regarding distribution of naturally available resources.
- 3) Know about animal husbandry, fishing, crops and minerals.
- 4) Learn about the distribution and use of water, minerals and energy tools.

### Programme Specific Outcomes of B.Com.

After studying Commerce at U.G. level students will be able to

PSO 1. Be ready for employment in functional areas like accounting, taxation, banking and corporate law.

PSO 2. Develop an attitude for working effectively and efficiently in a business environment.

PSO 3. Gain knowledge of various disciplines of commerce, business, accounting, economics, and finance, auditing and marketing.

PSO 4. Acquire skills to work as tax consultant, audit assistant and other financial supporting services.

PSO 5. Pursue professional courses such as CA, [M.COM](#), MBA, CS, etc .

PSO 6. Play roles of businessmen, entrepreneur, managers, consultant.

### Programme Specific Outcomes of M.Com.

After studying Commerce at P.G. level students will be able to

PSO 1. Know organisational behaviour and statistics.

PSO 2. Understand managerial economics.

PSO 3. Understand Corporate Financial accounting system.

PSO 4. Understand various aspects of business environment .

PSO 5. Understand marketing management.

PSO 6. Develop entrepreneurial skills amongst themselves.

PSO 7.- Develop a thorough understanding of the fundamentals in Commerce and Finance.

PSO 8. Develop ideas about the modern business strategies.

PSO 9. Gain the knowledge of banking sector, international business sector, HRM in management , Tax planning, etc.

#### B. Com. Course Outcomes

#### B. Com First Year, First Semester (CBCS Pattern) Financial Accounting-I (Paper-III)

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand the basic concepts of accounting.
2. Prepare journal, ledger and balance sheet of the sole trader.
3. Calculate depreciation, accounts of non-trading concern and royalty account.
4. Acquainted with hire purchase and installment purchase system.
5. Understand the concepts of royalty and calculate royalty.

#### Paper - Business Mathematics and Statistics-I

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand the basic concepts of statistics, data collection, sampling and tabulation of data.
2. Understand the basic knowledge of positional averages and will be able to calculate it.
3. Understand measures of dispersion- mean deviation & standard deviation
4. Have the knowledge of determinants and matrices.

#### Paper -Business and Industrial Economics-I

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Know the significance and scope of Business Economics.
2. Have the knowledge of indifference curve, consumer's equilibrium and the elasticity of demand.
3. Have the knowledge of elasticity of demand and demand forecasting.
4. Gain the knowledge of various market structures and factors of pricing.

#### Paper - Computer Application in Business-1

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Acquire the basic knowledge of computer, computer codes and languages.
2. Develop the ability to analyze, Interpret and use Computer Application in business enterprise.
3. Have the knowledge of Input / Output and storage devices, modern computing devices and Technologies, etc.
4. Work in MS Word with different office documents.
5. Have the knowledge of MS EXCEL, formatting and layout of worksheet, Excel Templates, etc.

#### Entrepreneurship Development-I

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Have the basic knowledge of entrepreneurship .
2. Develop the ability to analyze and interpret Entrepreneurship.
3. Understand the concepts of various mechanisms which help for start-up.
4. Set-up a new Venture.
5. Get information regarding various start-up schemes of government and non government agencies.

#### Office Management -I

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand the basic concepts of office management and administration .
2. Develop the knowledge about filing, indexing and mailing procedure of various office and administrative functions.
3. Acquire the knowledge of various forms, stationary and purchase procedure.
4. Develop the knowledge of various office equipments, office automation, budgeting

and audit system.

#### Paper- Financial Accounting II

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Have the knowledge of basic accounting concepts, accounting standards and accounting principles.
2. Develop the knowledge of depreciation and royalty account.
3. Understand accounts of non trading concern and branch accounts.
4. Understand financial accounting.
5. Develop the ability to solve practical sums of departmental accounts and consignment accounting.

#### Paper-Business Mathematics & Statistics II

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Learn and understand the concept of Co-relation.
2. Have knowledge of the types and methods of estimating regression lines.
3. Develop the Knowledge about Index Numbers, its types and uses.
4. Understand the procedure of application of Probability.
5. Acquire the knowledge & ability for using statistical tools with Computer.

#### Paper - Business Organization and Management

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Learn and understand the foundation of Indian Business & emerging opportunities in Business.
2. Develop the knowledge of the forms of organization.
3. Get the knowledge of process of Management & Organization.
4. Develop the knowledge of functional areas of management.

#### Business Communication

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Learn and understand Business communication.
2. Develop the knowledge of Business correspondence i.e. letter writing, preparing the resume and job application letter.
3. Develop the knowledge about report writing.
4. Understand the procedure of oral presentation.
5. Develop the ability for the modern forms of communication.

#### Paper - Entrepreneurship Development

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand the role of Entrepreneurship in Economic Development.
2. Acquire the knowledge of emerging trends in Entrepreneurship Development.
3. Gain the Knowledge of Project identification and Resource Management.
4. Understand the procedure of Entrepreneurship Development Programme.
5. Develop the knowledge of the selection, preparation & the requirements of the project.

#### Paper - Office Management

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand the Modern office & its functioning.
2. Develop the knowledge about office system and role of manager in that system.
3. Gain the Knowledge of office services.
4. Understand the procedure of record management and reporting.

B.Com. S. Y.

Paper -Corporate Account-I

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Acquire the knowledge of Corporate Accounting.
2. Become aware regarding the conceptual aspects of Corporate Accounting.
3. Get the knowledge of shares and its issue procedures.
4. Practice the final account of Joint Stock Company.
5. Acquire the knowledge of redemption of debentures and preference shares.

Paper Cost Account-I

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand basic cost accounting concepts and the classification of cost.
2. Acquire the knowledge of material handling methods such as LIFO, FIFO, simple average and weighted average.
3. Explain the labour costing methods like incentive scheme, wage payment, time and piece rate, etc.
4. Increase their awareness about costing methods and techniques.

Paper - I.T. Application in Business - I

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand C-Language and relevant software.
2. Understand the importance of operators in C language and use of computer for it.
3. Enhance the knowledge of control benchmarking and decision making in C.
4. Learn loop and its type.
5. Practice arrays and strings.
6. Learn practical application of C- Language.

Paper -GST Account-I

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Learn tax concepts, procedure and legislation pertaining to GST in India.
2. Learn GST Registration process.
3. Understand online GST registration process and filling GST returns.
4. Acquire the knowledge of supply under GST and valuation of supply.
5. Understand GST accounting with documentation and keeping process of records of GST.

Paper -Financial Management

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Enhance financial literacy.
2. Develop awareness about financial planning and financial sources.
3. Analyse budgeting and learn various methods and techniques of capital structure.
4. Understand working capital management of a firm and its importance.
5. Learn how to analyze leverages.
6. Understand dividend policy and decision making in finance.

Paper -Indian Economy

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand the recent trends in Indian Economy.
2. Understand economic reforms in India since 1991.
3. Acquire the knowledge of various aspects of Indian Economy through practical

approach like calculation of GDP, national income etc.

4. Accumulate information of causes, effects and of government measures to reduce unemployment in India.

5. Gain the knowledge of five years plans and budget.

B.Com. TY

Advanced Financial Accounting-I (Paper No. XXIX) and Advanced Financial Accounting-II (Paper No.XXXV)

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. equip with the ability to analyze, Interpret and use financial account in business enterprise.

2. Have introduction to stock market, Electricity Company, insolvency, a units accounts of local government and farm accounting.

3. Provide the knowledge of social accounting, departmental accounting, investment accounting, bank final account and accounts of insurance companies.

Paper -Management Accounting-I (XXX) and Management Accounting-II (XXXVI)

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Analyze and interpret accounting information in managerial making.

2. Have a good working knowledge of the subject.

3. Understand the application of management accounting techniques.

4. Provide the knowledge of budgeting and responsibility accounting.

Paper- Cost Accounting-I (XXXI) and Cost Accounting-II (XXXVII)

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Have the exposure to the basic concepts and the tools used in cost accounting.

2. Provide the knowledge about Single and output costing.

3. Explain the various accounting methods such as contract costing, operating costing and process costing.

Paper -Indirect Taxes and Direct Taxes-1 (XXXII) and Indirect Taxes and Direct Taxes-II (XXXVIII)

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand the basic tax concepts, procedure and legislation pertaining to indirect tax.

2. Provide the basic of Income tax act 1961

3. Get a practical knowledge of income for salary and business and profession.

4. Acquire the knowledge of all direct sources of income tax.

Paper -New Auditing Trends-I (XXXIII) and New Auditing Trends-II (XXXIX)

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand about the auditing procedure.

2. Understand the auditing concepts and new auditing trends.

3. Explore the knowledge of Cost and Management Audit, Human Resource Audit, Investigation and trends in

Cooperative Audit and Tax Audit.

Optional Group

Banking and Insurance I (XXXIV) and Banking and Insurance-II (XXXX)

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Familiarize with banking and practices of banking.
2. Be equipped with the knowledge of modern banking.
3. Develop the employability chances in banking, financial and other economic sectors.
4. Know Fundamentals of Insurance.

Paper Information and Communication Technology-1 (XXXIV) and Information and Communication

Technology II (XXXX)

Students having this course at the time of graduation will be able to

1. Understand the programming in C environment.
2. Be familiarized with all the latest new age system prevalent in business Domain.
3. Provide the knowledge of E-banking, Security in e-banking, ERP, BPO and Knowledge Management.

M.Com (First Sem)

Paper- Management Process and Organisational Behaviour Statistics:

Students having this course at the time of post graduation will be able to

1. Understand the basic organisational process of management
2. Know organisational behaviour and statistics.

Paper- Managerial Economics

Students having this course at the time of post graduation will be able to

1. Understand managerial economics.
2. Do cost benefit analysis.
3. Improve the performance in the job.

Paper- Corporate Financial Accounting

Students having this course at the time of post graduation will be able to

1. Understand Corporate Financial accounting system.
2. Analyse Corporate financial accounting system on corporate and global level.

Paper - Business Environment

Students having this course at the time of post graduation will be able to

1. Understand various aspects of business environment .
2. Understand the impact of various aspects of business environment on industry and international trade.

Paper- Statistical Analysis.

Students having this course at the time of post graduation will be able to

1. Do statistical analysis.
2. Learn and understand the various application of statistical tools and techniques.

Paper- Marketing Management

Students having this course at the time of post graduation will be able to

1. Understand marketing management.
2. Know the policies and procedures of market.
3. Do market research and analysis.

Paper-Financial Managements

Students having this course at the time of post graduation will be able to

1. Understand the basics of financial transactions applied in business and industry.
2. Understand various crucial procedure regarding financial management.

### Paper- Strategic Management

Students having this course at the time of post graduation will be able to

1. Enhance the decision making abilities in situations of uncertainty in dynamic business environment.
2. Be aware about best practices followed in business.

### M.COM. II YEAR

#### Paper- Research Methodology

Students having this course at the time of post graduation will be able to

1. Understand the research methodology.
2. Understand various concepts of research work.
3. Do practical implication of knowledge.

#### Paper- Human Resources Planning and Development.

Students having this course at the time of post graduation will be able to

1. Understand Human resources, Planning and Development.
2. Have exposure to the Human Resources Planning methodologies and to the various aspects of Human Resources.

#### Paper - Business Legislation

Students having this course at the time of post graduation will be able to

1. Update the knowledge of various business legislations in practice.

#### Paper- International marketing

Students having this course at the time of post graduation will be able to

1. Understand the importance of international marketing.
2. Understand entry strategies, foreign market selection, product development and distribution.

#### Paper- Quantitative Techniques.

Students having this course at the time of post graduation will be able to

1. Understand quantitative techniques.
2. Understand Operational Research and decision tree.

#### Paper- Securities Analysis.

Students having this course at the time of post graduation will be able to

1. Have the knowledge of Security Analysis.
2. Update the subject knowledge at corporate level about Security and Portfolio Management.

#### Paper- Advertisement

Students having this course at the time of post graduation will be able to

1. Be exposed to the basic knowledge of advertisement.
2. Understand advertising basics and the various methodologies to develop, implement and measure the effect of advertisement.

### **DEPARTMENT OF BCA – OUTCOME**

PO 1. B.C.A. programme facilitates the graduates to use and apply current technical concepts and practices in the core computer applications.

PO 2. Identify computer application related problems, analyze them and design the system or provide the solution for the problem considering legal, ethical and societal issues.

PO 3. The program also empowers the graduates to appear for various competitive examinations or choose the post graduate programme of their choice .



PO 4. Students learn to work and communicate effectively in interdisciplinary environment, either independently or in team, and demonstrate scientific leadership in academic and industry.

PO 5. Recognize the need for and an ability to engage in continuing professional development.